

RAJYA SABHA

Monday, the 23rd August, 1993/1st
Bhadra, 1915 (Saka)

The House met at eleven of the
clock, The Deputy Chairman in the
Chair.

MEMBERS SWORN

Shrimati Chandra Kala Pandey
(West Bengal).

SOME HON. MEMBERS: Madam,
the Treasury Benches are empty
today.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Never
mind, we will have more questions.
Question No. 361.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

देश में निर्धनता में वृद्धि

* 361. डा० जिनेंद्र कुमार जैन :

श्री बीरेन जे० शर्मा :

नया योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन
मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6
अगस्त, 1993 के "डेली आब्जर्वर"
में "नियरली 35 मिलियन मोर अर्बन
पूअर वाई 2000 एंडी०" शीर्षक से
प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया
गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि एशियाई
विकास बैंक द्वारा डा० ओम प्रकाश
— सर के नेतृत्व में गठित दल ने अपनी
रिपोर्ट में कहा है कि 2000 ईस्वी तक
श. में शहरी क्षेत्रों में गरीबों की
ख्या 200 से 350 लाख की वृद्धि
जाएगी ;

! सभा में यह प्रश्न डा० जिनेंद्र
र जैन द्वारा पूछा गया।

(ग) यदि हां, तो सरकार की
इस पर क्या प्रतिक्रिया है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि देश में
दैनिक उपभोग की वस्तुओं जैसे आटा,
दाल, चीनी, दूध और सब्जियां आदि की
कीमतें निरन्तर बढ़ रही हैं तथा ये
सामान्य नागरिक की पहुँच से बाहर
होती जा रही है क्योंकि देश में प्रति
व्यक्ति की आय में पर्याप्त वृद्धि नहीं हो
रही है ;

(ङ) यदि हाँ, तो क्या सरकार
आठवीं पंच वर्षीय योजना अवधि के
शेष वर्षों में उपरोक्त वस्तुओं की कीमतें
तत्काल कम करने के लिये योजना
की प्राथमिकताओं में संशोधन करने पर
विचार करेगी ; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण
हैं ?

THE MINISTER OF STATE OF
THE MINISTRY OF PLANNING
AND PROGRAMME IMPLEMENTA-
TION (SHRI GIRIDHAR GOMAN-
GO): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The author has him-
self observed in the report that there
has been a decline in the incidence
of urban poverty, whatever measure
of poverty one uses. Therefore, his
projection of 20 to 35 million poor
in 2000 AD, based on the assumption
of constant incidence of poverty, is
not quite correct.

(d) No, Sir. Average annual
growth in per capita income during
the period 1983-84 to 1991-92 was
higher than the average annual in-
crease in prices of the commodities
in question.

(e) and (f) Do not arise. However,
the Government has been constantly
making efforts to bring down the
rate of inflation.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN:
Madam, the question relates to the
urban poor and their plight. Obvio-
usly, I am worried about the increase